Published Date:	1 Sep 2026	Publication:	Nafa Nuksaan (Hindi) [Jaipur]
Journalist:	Bureau	Page No:	7
Circulation:	13,000		

TATA NIFTY CAPITAL MARKETS INDEX FUND

नफा नुकसान रिसर्च

भारत में लोगों के पैसे लगाने का तरीका तेजी से बदल रहा है। अब लोग सिर्फ बैंक में पैसा रखने के बजाय शेयर, म्यूचुअल फंड और दूसरे निवेश विकल्पों में भी पैसा लगा रहे हैं। इसी बदलाव का फायदा शेयर बाजार से जुड़े कारोबारों को मिल रहा है।

टाटा निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड इसी सेक्टर की कंपनियों में निवेश करता है। इस फंड में शेयर बाजार, ब्रोकर, म्यूचुअल फंड कंपनियां, डिमैट खाते संभालने वाली कंपनियां, शेयरों की खरीद-बिक्री का हिसाब रखने वाली संस्थाएं और वित्तीय सामान बेचने वाली कंपनियां शामिल हैं। यानी जैसे-जैसे ज्यादा लोग शेयर बाजार में आएंगे, इन कंपनियों का काम भी बढ़ सकता है।

भारत में अभी शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या काफी कम है। फंड के दस्तावेज के मुताबिक, डिमैट खातों की पहुंच करीब 8% है, जबकि म्यूचुअल फंड में लगा पैसा देश



की जीडीपी का करीब 15% है। दुनिया के बड़े बाजारों में यह आंकड़ा करीब 74% है। ऐसे में भारत में आगे नए निवेशकों के जुड़ने की काफी गुंजाइश है। मोबाइल से शेयर खरीदने-बेचने की सुविधा और आसान ई-केवाईसी ने भी बाजार में नए लोगों की एंट्री आसान कर दी है। पिछले कुछ साल में बड़े ब्रोकरों के सक्रिय ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। डिमैट खातों की संख्या भी कोविड से पहले के मुकाबले करीब तीन गुना हो गई है। 30 जून 2026 के आंकड़ों के अनुसार, इस इंडेक्स में बीएसई का हिस्सा 22.36%, एमसीएक्स का 16.49% और एचडीएफसी एएमसी का 12.31% था। इसके अलावा सीडीएसएल, एंजेल वन, निप्पॉन लाइफ इंडिया एएमसी, सीएएमएस, आनंद राठी बेल्थ और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। इस सेक्टर की एक खास बात यह है कि कई कंपनियों को ज्यादा कारोबार के लिए बहुत ज्यादा कर्ज या बड़ी संपत्ति की जरूरत नहीं होती। जैसे-जैसे ग्राहकों और निवेश का पैसा बढ़ता है, कमाई तेजी से बढ़ने की गुंजाइश रहती है।

सीधे शब्दों में कहें तो भारत में ज्यादा लोग शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड से जुड़ रहे हैं और यह ट्रेंड आगे भी जारी रह सकता है। बढ़ते डिमैट खाते, ज्यादा ट्रेडिंग और म्यूचुअल फंड में बहुत पैसा इस सेक्टर के लिए लंबे समय का मौका बना रहे हैं। हालांकि, इस फंड का जोखिम स्तर 'वेरी हाई रिस्क' है, इसलिए निवेश से पहले अपने जोखिम और निवेश की अवधि को जरूर देखना चाहिए।

Display: 2/2